THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) Yes, Sir. Unless the requiste transportation and compression capacity exists, the gas being presently flared cannot be brought onshore.

(b) According to Plan, the current year's production of natural gas is likely to be more than the production in 1991-92. The production of gas was 16989, 17998 and 18879 million cubic metres in the years 1989-90, 1990-91 and 1991-92 respectively.

(c) Against the total consumption of 38 MMSCMD approx in the entire country, the consumption in Gujarat was approx. 11 MMSCMD in the year 1991-92.

संसद सदस्यों की सिफारिशों पर तरलीकृत पेट्रोलियम गैस के कनेक्शनों का आवंटन

2989. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लोगों को संसद सदस्यों की सिफारिशों पर तरलीकृत पैट्रोलियम गैस के कनेक्शनों के आवंटन के लिए वर्तमान प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या इस संबंध में संसद सदस्यों को मंत्रालय की ओर से कोई सूचना दी जाती है ; और

(ग) यदि हां, तो संसद सदस्यों की सिफारिश के कितने दिन बाद इसकी सूचना दी जाती है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द) : (क) से (ग) सिफारिशों के प्राप्त होने पर, अग्रता आधार पर एल.पी.जी. कनेक्शनों को जारी करने के आदेश अब हर दो सप्ताह बाद तेल कंपनियों को भेजे जाते हैं । प्रत्येक सदस्य को उसकी सिफारिश पर मंजूर किए गए कनेक्शनों की सूचना समय-समय पर पत्र द्वारा दी जाती है ।

पेट्रोलियम उत्पादन क्षेत्र में गैर सरकारी क्षेत्रों की भागीदारी

2990. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री 22 जुलाई, 1992 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1374 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तेल उत्पादन के दायित्व को निभाने की जिम्मेदारी लेने के लिए जून, 1992 तक सरकार को गैर-सरकारी क्षेत्र से कितने आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं ;

(ख) इन प्रतिवेदनों में कितने आवेदन पत्र क्रमशः स्वदेशी व विदेशी संस्थानों से संबंधित हैं ; और

(ग) क्या सरकार ने इन आवेदन पत्रों को स्वीकार करने का कोई निर्णय लिया है ; यदि हां, तो चालू वर्ष के दौरान इस क्षेत्र में कितनी विदेशी पूंजी का निवेश किए जाने की संभावना है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) चौथे दौर की बोली के अधीन कुल 24 बोलियां प्राप्त हुई है ।

(ख) चौथे दौर की बोली के अधीन दस भारतीय कंपनियों और इक्कीस विदेशी कंपनियों ने अपनी बोलियां प्रस्तुत कर दी हैं ।

(ग) बातचीत के बाद करार पर हस्ताक्षर किए जाएंगे ।

पेट्रोलियम उत्पादों की मांग और पूर्ति के बीच अन्तर

2991. **डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने का कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार आठवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक

देश में कच्चे तेल, गैस के उत्पादन और तेल शोधक कारखानों की स्थापना हेतु लगभग 33,000 करोड रुपए व्यय करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो इस निवेश के बाद देश में पैट्रोलियम पदार्थों की मांग और पूर्ति में कितना अन्तर रह जाने की संभावना है ; और

(ग) यह मांग और पूर्ति का अंतर वर्तमान अंतर की तुलना मे कितना अधिक या कम होगा ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) (क) आठवीं पंचवर्षीय योजना में तेल क्षेत्र में 24,000 करोड़ रुपए का निवेश परिकल्पित है ।

(ख) और (ग) पैट्रोलियम उत्पादों की मांग और पूर्ति के बीच के वर्तमान अन्तराल को 11 मिलियन टन के स्तर तक होने की संभावना है । पैट्रोलियम उत्पादों के लिए मांग में वृद्धि के कारण 1996–97 तक इसके बढ़कर करीब 15 मिलियन टन होने की संभावना है ।

World Bank study on Indian oil sector

2992. SHRIMATI SUSHMA SWARAJ:

DR. JINENDRA KUMAR JAIN:

SHRI RAMDAS AGARWAL:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a newsitem published in the 'Hindustan Times' dated the 24th July, 1992 under the caption 'India lost $ 2 billion in Oil Sector' according to the latest study undertaken by the World Bank;

(b) whether it is a fact that in the study report World Bank has pointed out the reasons for decline in our Crude production;

(c) if so, what are the details thereof Government's reaction thereto;

(d) whether it is a fact that India lost nearly $ 2 billion between 1986 and 1990 as a result of the inefficient use of investible resources in the oil sector;

(e) whether it is also a fact that Government's policy since early 80's of inviting private companies to explore oil was of a role risk basis and that the production sharing arrangements were not competitive and sites offered for exploration not promising; and

(f) if so, what steps Government propose to take to reduce its dependence on imports of oil products in order to save precious foreign exchange in the country as well as explore more way for exploration/production of oil?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) In a Memorandum prepared by the World Bank, a reference has been made to implementation delays leading to gas flaring and reservoir mismanagement. To contain the flaring of gas, ONGC have undertaken the Gas Flaring Reduction project in the Western offshore region at an estimated cost of US $ 3.2 billion. Projects to reduce flaring are also being implemented in Gujarat and Assam. For maintaining the health of the reservoir, ONGC have taken up rectificatory measures as suggested by the Dasgupta Committee.

(e) No, Sir.

(f) Does not arise.

तेलशोधक कारखानों का स्थापित किया जाना

2993. **श्री विनोद शर्मा :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने पश्चिमी, पूर्वी व केंद्रीय क्षेत्र में तेलशोधक कारखाने स्थापित करने का विचार किया था ;

(ख) यदि हां, तो पश्चिमी क्षेत्र में इस प्रकार का तेल शोधक कारखाना स्थापित करने के इरादे के छोड दिए जाने के क्या कारण हैं ;